<u>संदेश</u>

गुरु नानक जयंती के शुभ अवसर पर मैं सभी देशवासियों, विशेषकर देश और विदेश में बसे हुए सिख समुदाय के भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई देता हूँ।

गुरु नानक ने शांति, सौहार्द और मानव मात्र की एकता का अमर और जीवन्त सन्देश दिया था। उन्होंने शोषण और अत्याचार का विरोध किया और वंचित तथा शोषित लोगों के कल्याण के लिए समर्पित रहे। 'जपजी' में संकलित प्रेम और आस्था, सत्य और त्याग तथा नैतिक आचरण की उनकी शिक्षा में शाश्वत नैतिक मूल्य विद्यमान हैं। गुरु नानक स्त्री और पुरुष में समानता तथा सार्वभौम मानवतावादी मूल्यों के प्रतीक हैं।

हम में से हर एक व्यक्ति को गुरु नानक की सीख अपने दैनिक जीवन में उतारने का और समाज में एकता, भाईचारा और पारस्परिक सौहार्द की भावना को मजबूत करने का प्रयास करते रहना चाहिए।